2641/P

II Year Arts Examination, 2017

SANSKRIT

Paper–I

(नाटक, छन्द एवं अलंकार)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

इकाई-I

(i) 'ये द्वे कालं विधत्तः' इसमें द्वे पद शिव की किस मूर्ति के लिए प्रयुक्त हुआ है?

(ii) नान्दी पाठ कौन करता है?

इकाई-II

(iii) अभिज्ञान शाकुन्तल नाटक के विदूषक का क्या नाम है?

(iv) हस्तिनापुर से देवी का सन्देश कौन लाता है?

इकाई-III

(v) राजा दुष्यन्त किस वंश से सम्बन्धित थे?

(vi) दुष्यन्त के पुत्र का क्या नाम था?

इकाई-IV

(vii) शिखरिणी छन्द का लक्षण लिखिए।

(viii) मन्दाक्रान्ता छन्द के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं एवं कितने-कितने वर्ण पर यति होती है?

इकाई-V

(ix) श्लेष अलंकार का लक्षण लिखिए।

(x) निदर्शना अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

चलापाङ्गां दृष्टिं स्पृशसि बहुशो वेपथुमतीम्

रहस्याख्यायीव स्वनसि मृदु कर्णान्तिकचरः।

करै व्याधुन्वत्याः पिबसि रति सर्वस्वमधरं

वयं तत्त्वान्वेषान्मधुकर हतास्त्वं खलु कृती।।

अथवा

दर्भाङ्कुरेण चरणः क्षत इत्यकाण्डे

तन्वी स्थिता कतिचिदेव पदानि गत्वा।।

आसीद् विवृत्तवदना च विमोचयन्ती

शाखासु वल्कलमसक्तमपि द्रुमाणाम्।।

इकाई-II

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इदमन्यपरायणमन्यथा

हृदय सन्निहिते हृदयं मम।

यदि समर्थयसे मदिरेक्षणे

मदन बाणहतोऽस्मि हतः पुनः।।

अथवा

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्याः भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

इकाई-III

4. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्

पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तुः।

तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वम्

भावस्थिराणि जनान्तरसौहृदानि।।

अथवा

स्वप्नोनुमाया नुमति भ्रमो नु, क्लिष्टं नु तावत्फलयेव पुण्यम्।

असन्निवृत्यै तदतीतमेते, मनोरथा नाम तटप्रपाताः।।

इकाई-IV

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

(i) मालिनी

(ii) वंशस्थ

(iii) रुचिरा

(iv) हरिणी

इकाई-V

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

(i) उपमा

(ii) रूपक

(iii) दीपक

(iv) भ्रन्तिमान्

खण्ड-स

इकाई-I

7. शकुन्तला की सखियाँ अनसूया एवं प्रियम्वदा का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई-II

8. 'कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञानशाकुन्तलम्' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

इकाई-III

9. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के नामकरण विषयक विभिन्न विद्वानों के मत प्रस्तुत कर नाम की सार्थकता व्यक्त कीजिए।

इकाई-IV

10. निम्नलिखित छन्दों के गण निर्देशपूर्वक लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

    (i) स्रग्धरा

    (ii) उपजाति

इकाई-V

11. निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

    (i) सन्देह

    (ii) अनुप्रास